"कक्षा 8 तक भूगोल पढ़ाने मे ई कंटेन्ट की प्रभाशीलता ,उपलबधि और प्रतिकिया की द्रस्टी मैं भोपाल संस्थान की भूमिका का आध्यन"

बरकतउल्लह विशविध्याल भोपाल
एम.एड.(आर.आई.ई.) उपाधि की संपूर्ति हेतु प्रस्तुत
लघु -प्रबंध 2020-2022

मार्गदर्शक

प्रोफेसर एन.सी. ओझा
शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्था भोपाल

शोधार्थी

कुमारी पुष्पा परनामे
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्था
भोपाल
(एन.सी.ई.आर.टी) भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्था
राषट्रीय शैक्षीक आनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,
श्यामला हिल्स,भोपाल

D - 688

घोषणा पत्र

मै **“ पुष्पा परनामे “ एम.एड .**(आर.आई.ई.) यह घोषणा करती हूँ ,की मैने छटवी एवं नौवी कक्षा के छात्र -छात्रों की ई -कंटेन्ट प्रभाशीलता ,उपलब्धि ओर प्रतिकिया का तुलनात्मक आध्यन नामक विषय पर लघु प्रबंध 2021-2022 मैने प्रो. एन.सी संकायध्याक्ष ,शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्था भोपाल के मार्गदर्शन मे पूर्ण किया गया है।

यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्ला विश्वविध्याल ,भोपाल की एम.एड.(आर.आई.ई।) सत्र 2021-2022 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है । एस शोध मे किए गए प्रदत एवं सूचनाए विभिन्न सोत्रों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किए गए है तथा यह प्रयास पुर्णत: मौलिक है ।

शोधार्थी

स्थान -:भोपाल

दिंनाक:10/8/22

कुमारी पुष्पा परनामे
एम.एड.(आर.आई.ई.)
क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान
एन.सी.ई.आर.टी.भोपाल

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है की पुष्पा परनामे क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल दो वर्षीय एम.एड पाठ्यक्रम की छात्र है, और इनका शोध कार्य मेरे मार्गदर्शन और निर्देशन में संपूर्ण किया गया। जिसका शीर्षक " कक्षा 8 तक भूगोल पढ़ाने मे ई कंटेन्ट की प्रभाशीलता ,उपलबधि और प्रतिकिया की द्रस्टी मैं भोपाल संस्थान की भूमिका का आध्यन" है।

यह शोध कार्य इनकी कुशलता और योग्यता के अनुसार समय पर किया गया है। यह शोध कार्य आंशिक रूप से किसी अन्य विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान के पूर्व में प्रयोग नहीं किया गया है। यह शोध कार्य क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के एम.एड (2020-2022) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की अवश्यकता की आंशिक पूर्ति के लिए किया गया है तथा यह शोध कार्य इस पाठ्यक्रम के सभी उपबंधों की पूर्ति करने योग्य है । अतः शोधकर्ता इस शोध कार्य को विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करने योग्य मानता हूं ।

शोध निर्देशक
प्रोफेसर एन.सी. ओझा
(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोघ प्रबंध "कक्षा 8 तक भूगोल पढ़ाने मे ई कंटेन्ट की प्रभाशीलता ,उपलबधि ओर प्रतिकिया की द्रस्टी मैं भोपाल संस्थान की भूमिका का आध्यन "की संपन्नता का संपूरण श्रेय मेरे मार्गदर्सक प्रो.एन.सी. क्षेत्रीय शिक्षा संस्था ,भोपाल को है जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श ,पर्याप्त निर्देशन तथा अनवरत प्रोत्साहन देकर शोध पूर्ण करने मे अमूलय सहयोग प्रदान किया,अतएव में उनकी हदय से आभारी हू । मैं आदरणीय प्रो.जयदीप मण्डल प्रधान ,प्राचार्य (आर.आई .ई.)भोपाल के अनवरत मार्गदर्सन,सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु से आभारी हूँ । मैं अपने सभी गुरुजनों की आभारी हूँ ,जिन्होंने समय समय पर सेमीनार मैं उचित मार्गदर्शन करके मेरे सोध कार्य मे सहयोग दिया । मैं पुस्तकालय अध्यक्ष तथा पुस्तकालय कर्मचारियों की भी आभारी हूँ जिन्होंने संदर्भ सामग्री की ओर निर्देश करने में मुझे सहयोग प्रदान किया । मैं आभारी हूँ उन विध्यालयो के प्रधानचार्यों ,शिक्षकों एवं विध्यालय मैं कार्यरत सभी कर्मचारियों की जिन्होंने मेरे कार्य को संपन करने के लिए डाटा कलेक्सन मेँ मेरी सहायता की । मैं आभारी हूँ अपने परिजनों की जिन्होंने आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वत्सलयपूर्ण सहयोग प्रदान कर मेरे आत्मवल को प्रतिफल प्रोत्साहित किया । अंत मे मै आभारी हूँ अपनी सहयोगीयो की जिन्होंने मेरे शोघ कार्य को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान किया ।

स्थान:-क्षेत्रीयसंस्था,भोपाल
दिनांक :- 10/8/22

शोधार्थी
पुष्पा परनामे

अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र I
प्रमाण-पत्र II
आभार-पत्र III

विषय-वस्तु

अध्याय- प्रथम शोध परिचय

1.1 प्रस्तावना
1.2 समस्या कथन
1.3 प्रत्ययों की व्याख्या
1.4 अध्ययन का उद्देशय
1.5 परिकल्पना
1.6 परिसीमन
1.7 अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

दिव्तीय- अध्याय संबंधित शोध एवं साहित्य का पुनरावलोकन

2.1 प्रस्तावना
2.2 संबंधित चारों पर किए गए शोध
2.1 प्रभावशीलता ,उपलब्धि से संबंधित
2.2 प्रतिक्रिया से सबंधित
2.3 पूर्व अनुसंधान से प्राप्त निष्कर्ष

तत्तीय अध्याय - शोध प्रविधीय प्रकिया

3.1 प्रस्तावना
3.2 न्यायदर्श
3.3 शोध के चर
3. 4 शोध मे प्रयुक्त उपकरण
3. 5 प्रदत का संकलन
3.6 संखिकी का उपयोग

चतीर्थ अध्याय – प्रदत्यो का विश्लेषण एवं निष्कर्ष

4.1 प्रस्तावना
4.2 प्रदतों का सरणीयन
4.3 प्रदतों के विश्लेषण का प्रस्तुतिकरण
4.4 प्रदतों का विश्लेषण एवं परिणाम

पंचम अध्याय – परिणाम एवं व्याख्या

5. 1 प्रस्तावना
5. 2 समस्या का कथन
5. 3 शोध के उद्देशय
5. 4 शोध परिकल्पना
5.5 शोध चर
5. 6 शोध का परिसीमन
5.7 न्यादर्श
5.8 शोध मे प्रयुत उपकरण
5.9 प्रदत का विश्लेषण
5.10 शोध के परिणाम
5.11 निष्कर्ष
5.12 शैक्षिक सुझाव
5. 13 भविष्य के लिए सुझाव

उपसंहार

- **संदर्भ ग्रंथ सूची**
- **परिशिष्ट**